आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-07 अंक-02, भोपाल, सोमवार, 31 जनवरी 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में मौलश्री और बादाम का पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में पर्यावरण मित्र श्री प्रकाश मालवीय, श्री यश जैन और श्री सुमित मालवीय के साथ बादाम और मौलश्री का पौधा लगाया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार श्री गिरजा शंकर भी मौजूद रहे। सेवा संकल्प युवा संगठन भोपाल के कार्यकर्ता पर्यावरण-संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। ये अपनी पॉकेट मनी बचाकर पौधे लगाने का कार्य करते हैं। संगठन द्वारा कोरोना के दृष्टिगत जन-सामान्य को मास्क लगाने के लिए निरंतर प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही मास्क लगाने वालों को सम्मानित करने और जो मास्क नहीं लगा रहे उन्हें निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराकर प्रेरित किया जाता है। संगठन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का पौध-रोपण करते हुए हस्त निर्मित चित्र मुख्यमंत्री को भेंट किया। पौधों का महत्व : बादाम एक मेवा है। तकनीकी दृष्टि से यह बादाम के पेड़ के फल का बीज है। बादाम के पेड़ में गुलाबी और श्वेत रंग के सुगंधित फूल लगते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में यह अधिक पनपता है। एशिया में ईरान-ईराक में यह अधिक मात्रा में होता है। बादाम फाइबर होने से पाचन में सहायक होता है उच्च रक्तचाप, कब्ज और हृदय रोगों के उपचार में बादाम उपयोगी होता है। यह पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और विटामिन-ई से भरपूर है।

शत-शत नमन प्रोग्राम में शहीदों के परिजन का सम्मान

भोपाल। 'आजादी का अमृत महोत्सव' में एनसीसी द्वारा 'शहीदों को शत-शत नमन' कार्यक्रम कर शहीदों के परिजन का पूरे देश में सम्मान किया जा रहा है । इसी श्रंखला में भोपाल वन एमपी सीटीआर-1 ने तीन शहिदों ग्रेनेडियर तेज सिंह, कैप्टन देवाशीष शर्मा और ग्रेनेडियर दिलीप सिंह लिंगवाल के परिवार को स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया। ग्रेनेडियर तेज सिंह 1971 के युद्ध में एक हमलावर टुकड़ी का हिस्सा थे और बहादुरी से लड़ते हुए उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। कैप्टन देवाशीष शर्मा 1994 में आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे एक ऑपेरशन का हिस्सा थे। उन्होंने खुद गंभीर रूप से घायल होने पर भी अपनी जान की परवाह न करते हुए अपने साथियों को उपचार देकर सुरक्षित निकला और खुद आने प्राणों की बली दे गए। इस वीरता के लिये उन्हें कीर्ति चक्र से समानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाकाल के अद्भुत प्रसंग पुस्तक का किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय और लेखक श्री आनंद कुमार शर्मा की पुस्तक 'महाकाल के अद्भुत प्रसंग' का आज मंत्रालय में विमोचन किया। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मनीष सिंह, प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री राघवेंद्र कुमार सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मन की बात में PM मोदी ने किया जाट राजा महेंद्र प्रताप को याद, मणिपुर और उत्तराखंड की भी चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल के पहले %मन की बात% कार्यक्रम के जरिए आज देश को संबोधित किया। उनके संबोधन पर विधानसभा चुनाव का असर भी दिखा। इस दौरान उन्होंने जाट राजा महेंद्र प्रताप का जिक्र किया। वह बीएचयू का भी जिक्र करना नहीं भूले। पीएम मोदी ने उत्तराखंड और मणिपुर का भी जिक्र किया, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

प्रधानमंत्री के मन की बात की 10 बड़ी बातें

1. मन की बात संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने एक टेक्निकल स्कूल की स्थापना के लिए अपना घर ही सौंप दिया था। उन्होंने अलीगढ़ और मथुरा में शिक्षा केंद्रों के निर्माण के लिए खूब आर्थिक मदद की।'

2. मुझे खुशी है कि शिक्षा के प्रकाश को जन-जन तक पहुंचाने की वही जीवंत भावना भारत में आज भी कायम है। क्या आप जानते हैं कि इस भावना की सबसे सुन्दर बात क्या है ? वो ये है कि शिक्षा को लेकर ये जागरूकता समाज में हर स्तर पर दिख रही है।

3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में अभी पद्म सम्मान की भी घोषणा हुई है। पद्म पुरस्कार पाने वाले में कई ऐसे नाम भी हैं जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। ये हमारे देश के गुमनाम हीरो हैं, जिन्होंने साधारण परिस्थितियों में असाधारण काम किए हैं।

4. पीएम मोदी ने कहा, 'जैसे कि, उत्तराखंड की बसंती देवी जी को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। बसंती देवी ने अपना पूरा जीवन संघर्षों के बीच जीया।'

5. इसी तरह मणिपुर की 77 साल की लौरेम्बम बीनो देवी दशकों से मणिपुर की Liba te&tile art का संरक्षण कर रही हैं। उन्हें भी पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

6. कोरोना की नई wave से भारत बहुत सफलता के साथ लड़ रहा है ये भी गर्व की बात है कि अब तक करीब-करीब साढ़े चार करोड़ बच्चों ने कोरोना वैक्सीन की डोज ले ली है। इसका मतलब ये हुआ, कि 15 से 18 साल की आयु-वर्ग के लगभग 60 प्रतिशत युवाओं ने तीन से चार हफ्ते में ही टीके लगवा लिए हैं।

7. हमें भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को खुद अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए सब लोगों तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए। हमारी संस्कृति, हमारे लिए ही नहीं, बल्कि, पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल धरोहर है। दुनिया भर के लोग उसे जानना चाहते हैं, समझना चाहते हैं, जीना चाहते हैं।

8. इस वर्ष, आर्मी डे पर घोड़े विराट को सेना प्रमुख द्वारा COAS Commendation Card भी दिया गया। विराट की विराट सेवाओं को देखते हुए, उसकी सेवा-निवृत्ति के बाद उतने ही भव्य तरीक़े से उसे विदाई दी गई। घोड़ा विराट, 2003 में राष्ट्रपति भवन आया था और हर बार गणतंत्र दिवस पर Commandant charger के तौर पर परेड को Lead करता था।

9. जब किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का राष्ट्रपति भवन में स्वागत होता था, तब भी, वो, अपनी ये भूमिका निभाता था। ऐसा ही एक दृश्य हमें इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में भी देखने को मिला। इस परेड में Presidents Bodyguards के चार्जर घोड़े विराट ने अपनी आख़िरी परेड में हिस्सा लिया।

10. पीएम मोदी ने कहा कि भारत शिक्षा और ज्ञान की तपो-भूमि रहा है। हमने शिक्षा को किताबी ज्ञान तक तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे जीवन के एक समग्र अनुभव के तौर पर देखा है।

प्रदेश में जल जीवन मिशन का हो रहा सुनियोजित संचालन

करीब 36 हजार ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं का कार्य 60 से 90 प्रतिशत पूर्ण

भोपाल। जल जीवन मिशन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम द्वारा ग्रामीण आबादी को हर-घर में जल-प्रदाय करवाने की प्रक्रिया सुनियोजित और त्वरित गति से संचालित की जा रही है। प्रदेश के 35 हजार 769 ग्रामों में निवासरत परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के लिए जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य चल रहे हैं।

प्रदेश के 4 हजार से अधिक ग्रामों के शत-प्रतिशत परिवारों को मिशन में जल उपलब्धता का लाभ मिल चुका है। अब तक की उपलब्धि में 29 हजार 526 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं का कार्य 60 प्रतिशत से अधिक, एक हजार 600 ग्रामों का 70 प्रतिशत, एक हजार 925 ग्रामों का 80 प्रतिशत और दो हजार 718 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं का कार्य 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण किया जा चुका है। जल-प्रदाय योजना के पूर्ण होने पर ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाते हुए योजना के संचालन एवं संधारण का कार्य ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सौंपा जा रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विभिन्न जिलों के ग्रामों के लिए बनायी जा रही जल-प्रदाय योजनाओं की त्वरित रूप में स्वीकृति जारी की जा रही है, जिससे मिशन में 2024 तक प्रदेश की समूची ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। अब तक भोपाल संभाग के पाँच जिलों में 4 लाख 38 हजार, नर्मदापुरम संभाग के तीन जिलों में दो लाख 71 हजार, इन्दौर संभाग के आठ जिलों में 9 लाख 82 हजार 725, उज्जैन संभाग के सात जिलों में 6 लाख 36 हजार 345, जबलपुर संभाग के आठ जिलों में 9 लाख 3 हजार 586, रीवा संभाग के 4 जिलों में 2 लाख 96 हजार, शहडोल संभाग के तीन जिलों में एक लाख 54 हजार 254, सागर संभाग के 6 जिलों में 3 लाख 18 हजार 222, ग्वालियर संभाग के 5 जिलों में 3 लाख 17 हजार और मुरैना-चम्बल संभाग के तीन जिलों में दो लाख 66 हजार नल कनेक्शन ग्रामीण परिवारों को उपलब्ध करवाये जा चुके हैं।

भगवती बाई ने शबरी बनकर मुख्यमंत्री श्री चौहान को खिलाये बेर

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आज राजगढ़ जिले के प्रवास के दौरान बिल्कुल जुदा अंदाज दिखा, जब उन्हें शबरी बनकर भगवती बाई ने अपनी बगिया के बेर अपने हाथों से खिलाये। भगवती बाई की इस आत्मीयता से भाव-विभोर होकर न केवल मुख्यमंत्री ने बेरों को चखा, बल्कि उन्होंने कुछ बेर अपनी धर्मपत्नी के लिये भी मांगे और कहा कि मैं इन्हें भोपाल ले जाऊँगा। यह वाक्या है शुक्रवार का, जब मुख्यमंत्री श्री चौहान राजगढ़ जिले की खिलचीपुर तहसील के ग्राम पिपल्झ्या कलाँ में प्रधानमंत्री आवास योजना की हितग्राही भगवती बाई का घर देखने पहुँचे थे।

प्रदेश में थमने लगी है कोरोना संक्रमण की रफ्तारः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में अब कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमने लगी है। उन्होंने राज्य सरकार के प्रयासों को इसका क्रेडिट दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मैं इस बारे में बहुत बेफिक्र तो नहीं हूँ, मगर मेरी राय यही बन रही है कि पीक चला गया है। केस लगातार कम होने लगे हैं। इस मामले में विस्तृत समीक्षा 30 और 31 जनवरी की बैठक में करूँगा।' स्कूलों को खोलने पर केंद्र से राय लेंगेः मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्कूलों को खोलने के मामले में केंद्र सरकार से राय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से जानकारी लेने के बाद ही कोई कदम उठाए जाएंगे। स्कूलों को खोलने पर आगे फैसला होगा। टीकाकरण के कारण कोरोना की मार नहीं रही मारक : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दावा किया कि व्यापक टीकाकरण से इस बार प्रदेश में कोरोना की मारक क्षमता नहीं रही। मध्य प्रदेश में कोविड-19 वैक्सीन का 97 फीसदी पहला डोज, 93 फीसदी दूसरा डोज और 73 फीसदी किशोर उम्र के बच्चों को डोज लग चुका है। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 7,763 नए मामले उजागर हुए हैं, जबकि 10 हजार 16 लोग रिकवर हुए। वर्तमान में प्रदेश का रिकवरी रेट 90.08 फीसदी है। प्रदेश में अब एक्टिव केस 67 हजार 945 रह गए हैं।

'मास्क ही है जिंदगी' अभियान में 2 लाख 91 हजार 631 मास्क वितरित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'मास्क ही है जिंदगी' अभियान में 28 जनवरी तक 2 लाख 91 हजार 631 मास्क जरूरतमंदों को वितरित किए जा चुके हैं। यह अभियान 20 जनवरी को सभी नगरीय निकायों में एक साथ शुरू हुआ था। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को कोरोना से बचाव के संबंध में जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की जा रही हैं। 'रोको-टोको' अभियान में अभी तक 2 लाख 87 हजार 790 घरों में संपर्क किया जा चुका है। लगभग 4871 ऑनलाइन चर्चाएँ आयोजित की गई हैं। मीडिया के विभिन्न माध्यमों से भी लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। 1724 मास्क बैंक स्थापित : नगरीय निकायों में अभी तक जन-सहयोग से 1724 मास्क बैंक स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें नागरिकों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा एक लाख 37 हजार 761 मास्क दान स्वरूप दिये जा चुके हैं।

28 जनवरी को 44 हजार 996 मास्क वितरित : मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 28 जनवरी को नगरीय निकायों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 44 हजार 996 मास्क वितरित किये गये हैं। भोपाल संभाग के नगरीय निकायों में 4 हजार 853, चंबल में 345, ग्वालियर में 20 हजार 41, इंदौर में 3 हजार 483, जबलपुर में 2 हजार 258, नर्मदापुरम् में 2 हजार 276, सागर में 5 हजार 521, शहडोल में 142 और उज्जैन संभाग के नगरीय निकायों में 4 हजार 80 मास्क वितरित किये गये हैं।

कोविड वैक्सीन की 6 लाख से अधिक प्रिकॉशन डोज लगाई

भोपाल। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, फ्रंट लाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक आयु के कोमार्बिड नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाने में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। पात्र 5 लाख 51 हजार 508 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और फ्रंट लाइन वर्कर में से अब तक 4 लाख 39 हजार 303 को कोविड वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज लगाई जा चुकी है। संचालक एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने जानकारी दी है कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और फ्रंट लाइन वर्कर को 10 जनवरी 2022 से प्रिकॉशन डोज लगाया जाना शुरू कर मात्र 19 दिन में 79.7 प्रतिशत पात्र स्वास्थ्य कार्यकर्ता और फ्रंट लाइन वर्कर को प्रिकॉशन डोज लगाई गई है। पात्र 3 लाख 8 हजार 244 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में से 2 लाख 48 हजार 569 को कोविड वैक्सीन प्रिकॉशन डोज लगाकर 80.6 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। इसी प्रकार पात्र 2 लाख 43 हजार 264 , डॉ. शुक्ला ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के कोमार्बिड एक लाख 60 हजार 896 नागरिकों को भी कोविड वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज लगाई गई है। इन तीनों श्रेणी में अब तक कुल 6 लाख 199 प्रिकॉशन डोज लगाई गई है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और फ्रंट लाइन वर्कर को प्रिकॉशन डोज लगाने में पात्र 25 हजार 310 के विरूद्ध 25 हजार 166 को प्रिकॉशन डोज लगाकर जबलपुर जिला 99.4 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। भिंड जिला पात्र 9987 के विरूद्ध 9885 पात्र लोगों को प्रिकॉशन डोज लगाकर 99 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर दूसरे स्थान पर है।

पुलिस ने कोरोना काल में सैनिकों की तरह किया संघर्ष - गृह मंत्री डॉ. मिश्रा

भोपाल। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की पुलिस ने कोरोना संकट काल में सीमाओं पर तैनात जाबाँज सैनिकों की तरह खुद के प्राण संकट में डालकर आमजन की प्राण-रक्षा के लिये काम किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संगठित माफिया के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिमों में भी पुलिस अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अब सरकार पुलिस के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को आवास की समस्या से निजात दिलाने के लिये सभी संभव उपाय करेगी। हजारों आवास निर्माण के कार्य जारी हैं। अन्य विकल्पों पर भी सरकार विचार कर रही है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने भोपाल में 66 करोड़ रुपये की लागत से 6 मंजिला 8 ब्लॉकों में 240 आवास आरक्षक एवं प्रधान आरक्षकों और अराजपत्रित अधिकारियों के 72 आवास सहित कुल 312 नव-निर्मित पुलिस आवास-गृहों का लोकार्पण करते हुए यह बातें कहीं। समारोह में पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा और पुलिस के आला अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने आवास-गृहों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण और उपलब्ध कराई गई सुविधाओं पर संतोष जताया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के परिजन को बेहतर वातावरण मिलने पर कर्मचारी निश्चिंत होकर अपना कर्त्तव्य निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने पुलिस आवास परिसर में कर्मचारियों के बच्चों के बौद्धिक विकास और उन्नति के लिये लायब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। अध्यक्ष मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो-संरचना विकास निगम श्री कैलाश मकवाना ने कॉर्पोरेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक श्री उपेन्द्र जैन ने आभार प्रदर्शित किया।

पहली प्राथमिकता पुलिस आवास: गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को आवास उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना में 5 चरणों में 25 हजार आवास-गृहों के निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। अब तक 11 हजार 500 आवास-गृहों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इनमें से 6 हजार 268 आवास-गृहों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 3 हजार 500 आवास-गृहों का निर्माण किया जा चुका है। इसी वित्तीय वर्ष में 31 मार्च तक 1500 आवास-गृहों का निर्माण पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सरकार पीपीपी मोड पर भी आवास उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है। इसके अलावा बीएसएनएल के रिक्त बंगलों को भी विभाग किराये पर लेकर अपने कर्मचारियों को उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को किरायामुक्त सुविधा मुहैया करा दी जाये।

देशभक्ति-जनसेवा को साकार कर दिखाया पुलिस ने : गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि कोरोना संकट में पुलिस महकमा स्वयं अपनी, अपने परिजन की परवाह किये बगैर कर्त्तव्य-पथ पर अडिग खड़ा रहा। जब सड़कों और गलियों में सन्नाटा पसरा हुआ था, लोग अपने घरों में थे, गाड़ियों के पहिए थमे हुए थे, तब पुलिस का जवान सैनिकों की भाँति लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिये हर गली-चौराहे पर तैनात था।

खबरें

नौरादेही अभ्यारण में एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

सागर-रहली मार्ग को चौड़ा करने में लाये गति - लोक निर्माण मंत्री श्री भार्गव

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि रहली विधानसभा क्षेत्र में संचालित सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किये जाये। उन्होंने सागर-रहली सड़क मार्ग के 10 मीटर चौड़ा करने के कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने तथा नौरादीही अभ्यारण एलीवेटेड कॉरिडोर का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री भार्गव शुक्रवार को सागर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने गढ़ाकोटा रहली मार्ग को फोर करने, प्लांटेशन, स्ट्रीट लाइट एवं सौंदर्यीकरण कार्य और दमोह-पथरिया मार्ग की प्रगति की समीक्षा भी की। मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि रहली विधानसभा क्षेत्र में चल रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने सागर रहली मार्ग की 36.6 किलोमीटर पर स्थित नदी पर पुल निर्माण, सागर रहली मार्ग के उच्च स्तरीय पहुँच मार्ग सागर रहली जबलपुर पर सोनार नदी का जल मग्नीय पुल निर्माण का कार्य एवं जूना जाम घाट केथ नदी पर उच्च स्तरीय पुल पहुँच मार्ग का कार्य समय-सीमा में करने के निर्देश दिए।

जल निगम के कार्यों में गुणवत्ता पर रखे विशेष नजर : लोक निर्माण मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि जल जीवन मिशन में रहली विधानसभा क्षेत्र के 250 ग्रामों में जल निगम के द्वारा हर घर जल की योजना के तहत जो कार्य किया जा रहा है वह उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मिशन में मजरे-टोलों को भी शामिल करें।

इसी प्रकार 292 करोड़ 38 लाख लागत वाली कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना से 9,900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा होगी। परियोजना से 28 ग्राम लाभान्वित होंगे। इसमें चकपरासिया हिनौता, संजरा, कजरावन, चनौआबुजुर्ग, बाछलोन मजगुंवा, रतनारी, पहरीर, खानपुरा, खारी, सौदानी, बारपानी, गढ़ाकोटा, चंदौला, मुर्गा, दरारिया, उमरा, चौका, चंद्रपुरा, बौरई, भौरदहार, बसारी, बेलई, विभौली पिपरिया, कदला, कुमेरिया, परासिया, झिरिया खिरिया, चनौआ खुर्द, बरखेड़ा गौतम शामिल हैं।

रहली क्षेत्र में संचालित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा : लोक निर्माण मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि रहली विधानसभा क्षेत्र के 79 ग्रामों में 616 करोड़ की सिंचाई परियोजनाएँ संचालित है। इनके माध्यम से लगभग 19 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध होगा। श्री भार्गव ने कहा कि आपचंद मध्यम सिंचाई परियोजना से 4830 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना का निर्माण 162 करोड़ से अधिक की राशि से किया जाएगा। परियोजना में रहली विधानसभा क्षेत्र के 30 ग्राम शामिल होंगे, जिसमें परासिया, झिरिया खिरिया, चनौआ खुर्द, बरखेड़ा गौतम, भौरदहार, बसारी, बेलई, विभौली पिपरिया, कदला, कुमेरिया, चंदौला, मुर्गा दरारिया, उमरा, चौका, चंद्रपुरा, बौरई, रतनारी, पहरीर, खानपुरा, खारी, सौदानी, बारपानी, गढ़ाकोटा, हिनौता, संजरा , कजरावन , चनौआ बुजुर्ग, बाछलौन मजगुंवा, भतौली और चकपरासिया गाँव शामिल हैं।

इसी प्रकार 292 करोड़ 38 लाख लागत वाली कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना से 9,900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा होगी। परियोजना से 28 ग्राम लाभान्वित होंगे। इसमें चकपरासिया हिनौता, संजरा, कजरावन, चनौआबुजुर्ग, बाछलोन मजगुंवा, रतनारी, पहरीर, खानपुरा, खारी, सौदानी, बारपानी, गढ़ाकोटा, चंदौला, मुर्गा, दरारिया, उमरा, चौका, चंद्रपुरा, बौरई, भौरदहार, बसारी, बेलई, विभौली पिपरिया, कदला, कुमेरिया, परासिया, झिरिया खिरिया, चनौआ खुर्द, बरखेड़ा गौतम शामिल हैं।

कैथ मध्यम सिंचाई परियोजना के 162 करोड रुपए से अधिक की राशि तैयार की जाएगी। इससे 5135 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इसमें 21 ग्राम शामिल होंगे।

आकर्षक लाइट एण्ड साउंड सिस्टम से नए रूप में दिखेगा महाकाल परिसर

उज्जैन। महाकाल मंदिर परिसर, उज्जैन शीघ्र ही अति-आकर्षक स्वरूप ग्रहण करने जा रहा है। आकर्षक लाइट एण्ड साउंड सिस्टम स्थापित होने से महाकाल परिसर बिल्कुल नए रूप में दिखेगा। श्री महाकाल मंदिर परिसर विस्तार योजना के प्रथम चरण के कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो गये हैं। कुल 714 करोड़ रूपये की परियोजना में से मध्यप्रदेश सरकार 421 करोड़ रूपये की धन राशि खर्च कर रही है। केन्द्रांश 271 करोड़ रुपये के साथ ही प्रबंध समिति 21 करोड़ की राशि खर्च कर रही है। यह जानकारी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उज्जैन में संचालित निर्माण कार्यों और सौंदर्यीकरण योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मनीष सिंह, प्रमुख सचिव जनसम्पर्क श्री राघवेंद्र कुमार सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से करेंगे लोकार्पण का अनुरोध : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा श्री महाकाल मंदिर परिसर विस्तार योजना के कार्यों को आगामी 3 माह में व्यवस्थित रूप से पूर्ण कर लिया जाए। इन कार्यों के पूर्ण होने पर लोकार्पण की तिथि तय होगी। इसके लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित कर लोकार्पण का अनुरोध करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि महाकाल मंदिर के अलावा उज्जैन के अन्य मंदिरों और दर्शनीय स्थानों का इस तरह विकास हो और अन्य गतिविधियाँ भी संचालित हों, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक एक-दो दिन रुकना चाहें। श्रद्धालु यहाँ की यात्रा के बाद पूर्ण आनंद और संतोष का भाव लेकर जाएँ।

महाशिवरात्रि पर उज्जैन जगमगाए, कोटि तीर्थ शुद्ध जल से भरा रहे, दिव्यता, भव्यता के दर्शन हों : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी महाशिवरात्रि एक मार्च को उज्जैन में घर-घर में दीप जलाए जाएँ। इसमें व्यापक जन-भागीदारी हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री महाकाल महाराज मंदिर परिसर उज्जैन की विस्तार योजना के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कोटि तीर्थ शुद्ध जल से भरा रहे और यह क्षेत्र भव्यता और दिव्यता के अनुभव करवाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि क्षिप्रा में जल का प्रवाह बना रहे। देश में अक्षरधाम जैसे स्थानों की तरह बल्कि उससे भी श्रेष्ठ जनाकर्षण उज्जैन के स्थानों पर रहे, इसके प्रयास हों। सिंहस्थ के लिए भी स्थायी महत्व के कार्य किए जायें।

एडाप्ट एन आंगनवाडी अभियान में अब तक 58 हजार सहयोगियों ने कराया पंजीयन

इंदौर। प्रदेश में आंगनवाड़ी केन्द्र को सुदृढ़ करने के लिए समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से %एडाप्ट एन आंगनवाड़ी% अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में अब तक लगभग 58 हजार 735 सहयोगियों द्वारा पंजीयन कराया गया है। महिला बाल विकास विभाग द्वारा 15 हजार 324 सहयोगियों से संपर्क कर संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र में आवश्यक सहयोग के लिए सहमति प्राप्त कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेश की जनता के नाम संदेश में भी प्रदेशवासियों से अपील की थी, कि बच्चों के पोषण आहार के व्यवस्थित वितरण और कुपोषण को दूर करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र गोद लिए जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वस्थ्य रखने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में संचालित गतिविधियों में जन-भागीदारी जुड़ेगी तो परिणाम और बेहतर मिलेंगे। 'एडाप्ट एन आंगनवाड़ी' अभियान में आंगनवाड़ी केंद्रों को अपनाने के लिए जन- प्रतिनिधि, शासकीय कर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन, गैर शासकीय संस्थाएं, आद्यौगिक संस्थाएं और अन्य संगठन आंगनवाड़ी संचालन, पोषण सुधार एवं अधो-संरचना आदि गतिविधियों में सहयोग कर सकते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र को एक वर्ष के लिए एडाप्ट किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति आंगनवाड़ी केंद्र से ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन संपर्क कर सकेंगे।

इंदौर में फिर बढ़ी कोरोना संक्रमितों की संख्या, 1905 नए केस, दो की मौत

इंदौर। कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले कम होने से राहत थी, लेकिन शुक्रवार को फिर नए केस बढ़ गए। शुक्रवार को इंदौर में 10430 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें से 1905 कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। दो संक्रमितों की मौत हुई है। गुरुवार को इंदौर में 1498 नए मरीज मिले थे। इस लिहाज से एक दिन में 407 केस बढ़े हैं। इंदौर में अब तक 1420 मरीजों की मौत हो चुकी है। इंदौर जिले में 16083 मरीजों का उपचार चल रहा हैं। सीएमएचओ डा. बीएस सैत्या के मुताबिक 47 वर्षीय पुरुष की मौत हुई है, जो चार दिन से डायबिटीज सहित अन्य बीमारी और कोविड संक्रमण के कारण अस्पताल भर्ती थे। 69 वर्षीय बुजुर्ग जो डायबिटीज, हाइपरटेंशन, हृदय संबंधित बीमारी के कारण साल 2007 से ही बिस्तर पर थे और कोविड संक्रमण के उपचार के लिए आठ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे, उनकी भी कोविड संक्रमण से मौत हुई। ऐसे सभी फ्रंटलाइन और हेल्थकेयर वर्कर तथा अन्य शासकीय सेवक, जिनकी सतर्कता डोज लगवाने की अवधि हो चुकी है, वे शीघ्र इसे लगवा लें। ऐसा नहीं करवाने वाले शासकीय सेवकों को जनवरी माह का वेतन नहीं मिलेगा। कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि विभागवार कर्मचारियों के संबंध में टीकाकरण की जानकारी एकत्र की जा रही है। कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सतर्कता डोज लगवाने का सर्टिफिकेट मिलने पर ही वेतन आहरित करें। सभी कार्यालय प्रमुख अपने-अपने कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के संबंध में यह प्रमाण प्रस्तुत करें कि सभी पात्र शासकीय सेवकों ने टीकाकरण करवा लिया है।

खबरें

स्कूल में ही चाकू मारना चाहता था नाबालिग छात्र

इंदौर में 11वीं के छात्र की प्रेम प्रसंग में सरेराह हत्या, सहपाठियों ने दो छात्रों को भी मारे चाकू

इंदौर। शहर के नंदानगर सरकारी स्कूल के 11वीं के छात्र शिवमसिंह की उसके दो साथियों ने सरेराह चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपित छात्रों ने सहपाठी नितिन और नरेंद्र कोरी पर भी जानलेवा हमला किया है। शिवम की एक छात्रा से दोस्ती थी और आरोपित छात्रा से बात करने से मना करता था। घटना के वक्त तीन स्कूली छात्राएं भी घटना स्थल पर मौजूद थीं।

परदेशीपुरा थाना पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे जबरेश्वर महादेव मंदिर के समीप की है। 17 वर्षीय 11वीं का छात्र शिवम पुत्र मानसिंह चौहान दोस्त नितिन मथुराप्रसाद चौरसिया, नरेंद्र मुकुंदीलाल कोरी और मानव अहिरवार के साथ शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (नंदा नगर) प्रश्न बैंक लेने गया था। रास्ते में इसी स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं के छात्र मिले और शिवम से विवाद करने लगे। एक छात्र ने चाकू निकाला और शिवम को मारना शुरू कर दिया। नितिन और नरेंद्र ने बीच-बचाव किया लेकिन आरोपितों ने दोनों पर टूट पड़े और पेट व जांघ पर चाकू मार दिए। शिवम की पेट और गले में गहरी चोट लगने से मौत हो गई।

वारदात के बाद दोनों आरोपित घटनास्थल से फरार हो गए। परदेशीपुरा थाना पुलिस ने आरोपित छात्रों के घरों पर छापे मारे लेकिन फरार मिले। पुलिस ने दबाव बनाने के लिए दोनों के स्वजनों को हिरासत में ले लिया। हमले में घायल नरेंद्र की हालत भी गंभीर है। उसके सीने और पैर में चोट लगी है।

स्कूल में ही चाकू मारना चाहता था नाबालिग छात्र: चश्मदीद नितिन ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने कहा साथ पढ़ने वाले एक छात्र की शिवम से कहासुनी हो गई थी। दोपहर को वह साथी को लेकर आया और पुरानी बात पर विवाद करने लगा। साथ आए छात्र ने शिवम को चाकू मारा तो बचाने की कोशिश की और उस पर भी हमला हो गया। एसआइ अजयसिंह कुशवाह मानव अहिरवार को घटनस्थल लेकर गए तो उसने हकिकत बताई। मानव ने कहा कि साथ पढ़ने वाली एक छात्रा से शिवम की दोस्ती थी। आरोपित छात्र चाहता था कि शिवम छात्रा से बातचीत बंद कर दें। शिवम, नितिन, मानव, नरेंद्र जब प्रश्न बैंक लेने स्कूल गए तो तीन छात्राएं भी साथ थी। आरोपित स्कूल में ही झगड़ने लगे लेकिन चौकीदार ने उन्हें भगा दिया।

स्कूल बैग में पिस्टल लेकर आता था आरोपित छात्र : नितिन के मुताबिक आरोपित छात्र भी उसके साथ ही पढ़ते है। एक छात्र चाकू व कट्टे रखने का शौकीन है। कुछ समय पूर्व स्कूल में बैग में पिस्टल लेकर आ गया था। वह छात्रों को चाकू निकालकर धमकाता था। उसकी इस हरकतों के कारण उसे स्कूल से बाहर निकाल दिया था।

इंदौर में सैकड़ों छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन नहीं हुए जमा, कालेजों ने बताई तकनीकी गड़बड़ी

इंदौर। कालेजों में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सरकार ने गांव की बेटी और प्रतिभा किरण छात्रवृत्ति की योजना लागू कर रखी है, लेकिन सैकड़ों आवेदन अब तक जमा नहीं हुए हैं। कालेजों ने इसके बारे में उच्च शिक्षा विभाग को जानकारी दे दी है। कालेजों ने बताया है कि 31 दिसंबर तक आनलाइन आवेदन मंगवाए थे, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी होने से आवेदन जमा नहीं हो सके। विभाग ने अब छात्राओं को एक ओर मौका दिया है। 21 फरवरी तक दोबारा आनलाइन फार्म भरने की अनुमति दी है।

सत्र 2021-22 के लिए छात्रवृत्ति में आनलाइन आवेदन को लेकर शासन ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आवेदन नवीनीकरण के लिए 31 दिसंबर तक छात्राओं को प्रक्रिया पूरी करनी थी। जबकि फर्स्ट ईयर की छात्राओं के नए आवेदन 20 जनवरी तक मंगवाए गए थे। मगर सैकड़ों छात्राएं ऐसी हैं, जिनके फार्म जमा नहीं हो सके, क्योंकि आनलाइन आवेदन भरने के दौरान कई तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। इस कारण समय पर उनके फार्म जमा नहीं हो सके। बीते दिनों कालेजों ने छात्राओं का डाटा भेजा, जिसमें आवेदन करने और फार्म निरस्त के बारे में जानकारी दी है। इसके बाद विभाग ने छात्राओं की समस्या को देखते हुए तारीख आगे बढ़ाई है। अब 21 फरवरी तक छात्राएं फार्म भर सकती हैं। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डा. अजय अग्रवाल के मुताबिक, छात्रवृत्ति के लिए आवेदन सिर्फ आनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। आफलाइन की व्यवस्था नहीं है। मामले में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी कालेजों को 21 फरवरी तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के लिए डीएवीवी इंदौर मार्च में बढ़ाएगा मूल्यांकनकर्ता

इंदौर। कोरोना की स्थिति को देखते हुए अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) एक बार फिर आफलाइन परीक्षा की तरफ लौट रही है। धीरे-धीरे व्यवस्था पटरी पर आने लगी है। फरवरी से सभी पाठ्यक्रम की परीक्षाएं आफलाइन पद्धति से करवाई जाएगी। अब विद्यार्थियों का आकलन करने के लिए विश्वविद्यालय ने मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाने का विचार किया है। सरकारी और निजी कालेज के शिक्षकों को मूल्यांकन कार्यों से जुड़ेंगे। ये प्रक्रिया मार्च से शुरू हो सकती है। अधिकारियों के मुताबिक 150 शिक्षकों को उत्तरपुस्तिका जांचने का काम सौंपा जा सकता है।

सम्पादकीय

देश को ऊर्जा साक्षरता का पाठ पढ़ायेगा मध्यप्रदेश

देश और दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु असंतुलन और बिजली के अपव्यय से बचाने के लिये ऊर्जा साक्षरता अभियान (ऊषा) के रूप में लोगों को जागरूक करने की अनूठी पहल मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने की है। अभियान में प्रदेश के साढ़े 7 करोड़ नागरिकों को समयबद्ध कार्य-योजना बनाकर ऊर्जा साक्षर बनाने के प्रयास किये जायेंगे। पहले 6 महीनों में 50 लाख नागरिकों को ऊर्जा साक्षर बनाने का लक्ष्य है।

अभियान का उद्देश्य लोगों को ऊर्जा प्रयोग के प्रति संवेदनशील बनाते हुए आगामी वर्षों में पृथ्वी को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु संतुलन के दुष्प्रभावों से बचाना है। इसके अंतर्गत ऊर्जा के व्यय एवं अपव्यय की समझ विकसित करना, ऊर्जा के पारम्परिक एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी देना, उनका पर्यावरण पर प्रभाव, ऊर्जा एवं ऊर्जा के उपयोग के बारे में सार्थक संवाद, ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंधन के बारे में जागरूकता, ऊर्जा उपयोग के प्रभावों, परिणामों की समझ के आधार पर इसके दक्ष उपयोग के लिये निर्णय लेने की दक्षता उत्पन्न करना, पर्यावरणीय जोखिम एवं जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करना और विभिन्न ऊर्जा तकनीकों के चयन के लिये लोगों को सक्षम बनाया जायेगा।

स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों सहित जन-साधारण को ऊर्जा की महत्ता, पारम्परिक ऊर्जा से होने वाला कार्बन उत्सर्जन, सौर, पवन, बॉयोमॉस आदि हरित ऊर्जा के लाभ और मितव्ययता आदि की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। अभियान के जरिये लोगों को बताया जायेगा कि एक यूनिट बिजली बचाने से लगभग 2 यूनिट बिजली का उत्पादन बढ़ता है।

नई पीढ़ी द्वारा ऊर्जा निर्माण और सदुपयोग में जागरूकता के दूरगामी परिणाम होंगे। ऊर्जा उपयोग के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ की जानकारी सुलभ रूप में पहुँचाने और अपनाने का कार्य मिशन के रूप में किया जायेगा। श्रेणीगत प्रशिक्षण के माध्यम से चरण-बद्ध सर्टिफिकेशन का भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश के सभी नागरिकों को समय-बद्ध कार्य-योजना के अनुसार ऊर्जा साक्षर बनाया जायेगा। पोस्टर, होर्डिंग, एनीमेशन, वीडियो, सोशल मीडिया, जिंगल्स, मोबाइल एप, स्वयं करके देखो आदि विधाओं द्वारा रोचक तरीके से लोगों को क्लीन ऊर्जा के संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया जायेगा। मोबाइल से होगा पंजीयन: ऊर्जा साक्षरता अभियान से जुड़ना पूरी तरह निःशुल्क है। वेब पोर्टल या मोबाइल एप से एप डाउनलोड कर मोबाइल ओटीपी के माध्यम से पंजीयन होगा। इसके बाद लोग अपनी इच्छानुसार निर्धारित पाठ्यक्रमों में से एक का चयन कर सकेंगे। पाठ्यक्रम के चयन पर प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम (मॉड्यूल) डाउनलोड करने की सुविधा मिलेगी। प्रतिभागी अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन पद्धति से बहु-विकल्पीय प्रश्नों के रूप में एक परीक्षा में भाग ले सकेगा। प्रश्न कम्प्यूटर द्वारा रेंडम आधार पर होंगे। प्रतिभागी के उत्तरों के आधार पर ऑनलाइन ऊर्जा साक्षरता प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा। प्रमाण-पत्र ओटीपी वेरीफिकेशन से डाउनलोड किया जा सकेगा। प्रतिभागियों को श्रेणी सुधार एवं अन्य उच्च स्तर पर परीक्षा में सम्मिलित होने की सुविधा भी होगी।

मिलेगी प्रत्यक्ष जानकारी : जन-साधारण को अक्षय ऊर्जा उपयोग की ओर प्रेरित करने के लिये अक्षय ऊर्जा आधारित संयंत्रों की स्थापना का प्रदर्शन भी किया जायेगा। चुने हुए शासकीय कार्यालयों, आँगनवाड़ी भवनों, चिन्हित चिकित्सा केन्द्रों आदि को सौर ऊर्जीकृत किया जायेगा। बड़े शासकीय भवनों में ₹शून्य निवेश% आधारित ₹रेस्को% मॉडल पर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना की जा रही है। तकनीकी शिक्षा विभाग के 12 तकनीकी संस्थानों को ऑफग्रिड किया जाकर पूर्ण रूप से सौर ऊर्जीकृत किया जा रहा है। प्रदर्शन स्थलों की सफलता की कहानियों को विभिन्न माध्यमों से लोगों के बीच पहुँचाया जा रहा है।

विकास की अंधाधुंध दौड़ के परिणाम स्वरूप उपजी ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु असंतुलन को नियंत्रित करने में ऊर्जा साक्षरता अभियान एक महत्वपूर्ण टर्निंग प्वाइंट सिद्ध होगा। कहते हैं बूंद-बूंद से घट भरता है। उम्मीद की जा रही है कि मध्यप्रदेश में हुई इस महत्वपूर्ण पहल का देश के अन्य राज्यों पर भी असर पड़ेगा। मध्यप्रदेश का यह नवाचार जब देश-दुनिया में फैलेगा, तो निश्चित ही अनियंत्रित होते हुए पर्यावरण में सुधार होगा, जो हमारे द्वारा आने वाली पीढ़ियों के लिये एक अनमोल सौगात होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान बनाने का नहीं बल्कि गरीबों की जिंदगी दलने का अभियान है - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान बनाने का अभियान नहीं है, बल्कि यह गरीबों की जिंदगी बदलने का अभियान है। यह अद्भुत कार्यक्रम है, गरीबों के कल्याण का मेला जारी है। सभी को बेहतर जिंदगी जीने और मुस्कुराने का अधिकार है। जब तक आपकी जिंदगी नहीं बदलेगी तब तक मैं भी चैन से नहीं बैठूंगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराई जाएगी। जो सबसे गरीब है और सबसे नीचे हैं, उनके लिए यह सरकार सबसे पहले है। मकान बनने तक हम इन भाई-बहनों के साथ हैं। हमारा प्रयास है कि निश्चित समय-सीमा में इनका मकान बन जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी सांसद, मंत्री साथियों सहित सभी जन-प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जब भी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण पर जाएँ, तो आवास योजना की भौतिक जानकारी अवश्य लें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में तीन लाख 50 हजार हितग्राहियों को स्वीकृति नवीन आवासों के लिए उनके खाते में पहली किश्त की 875 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद भी किया और प्रतीक स्वरूप पाँच हितग्राहियों को आवास स्वीकृति-पत्र प्रदान किए।

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश गान के साथ हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया तथा प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव उपस्थित थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल सतना से वर्चुअली सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सभी जिलों ने वुर्चअली सहभागिता की।

शासकीय योजनाओं में भ्रष्टाचार और टालमटोल बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना में जारी किश्त का पैसा मकान के लिए है। अतः हितग्राही यह पैसा मकान में ही लगाएँ। सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक यह सुनिश्चित करें कि आवास निर्माण का कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों। योजनाओं का पर्यवेक्षण और निगरानी प्रभावी तरीके से सुनिश्चित की जाए। हितग्राहियों को निर्माण सामग्री मिलने में असुविधा नहीं हो। राज्य सरकार अब तक 35 लाख लोगों को आवास उपलब्ध करा चुकी है। अभी जो परिवार छूटे हैं उनके मकान का सपना भी जल्द पूर्ण होगा। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार और टाल-मटोल बर्दाश्त नहीं होगी।

उचित दर पर मिले निर्माण सामग्री : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों से संवाद में कहा कि योजना क्रियान्वयन में यह सुनिश्चित किया जाए कि हितग्राहियों को किश्त प्राप्ति में विलंब नहीं हो। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि हितग्राहियों को निर्माण सामग्री उचित दर पर मिले। योजना क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

प्रत्येक हितग्राही को पता हो कि कब-कब कितनी किश्त मिलेगी : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना में स्वीकृत आवासों से हितग्राहियों के जीवन में आए परिवर्तन के संबंध में उनसे वर्चुअली संवाद भी किया। संवाद में मण्डला जिले की श्रीमती सुमरति बाई परते से बातचीत में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हितग्राहियों को यह पता होना चाहिए कि उन्हें कितनी किश्तें मिलेंगी और यह किश्तें कब-कब मिलेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राहियों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था स्थापित की जाए।

पचास दिन में मकान बनाना चमत्कार जैसा : मुख्यमंत्री श्री चौहान को सीधी जिले के श्री मुरली रजक ने चर्चा में बताया कि उन्होंने 50 दिन में आवास निर्माण पूर्ण कर लिया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इतने कम समय में मकान बनाना चमत्कार जैसा है। इस उपलब्धि पर पंचायत स्तर पर मुरली रजक का सम्मान किया जाए।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through **industrialproduct.in**
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

लंबे समय तक फिट और यंग दिखने के लिए ये 5 चीजें खाएं महिलाएं, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

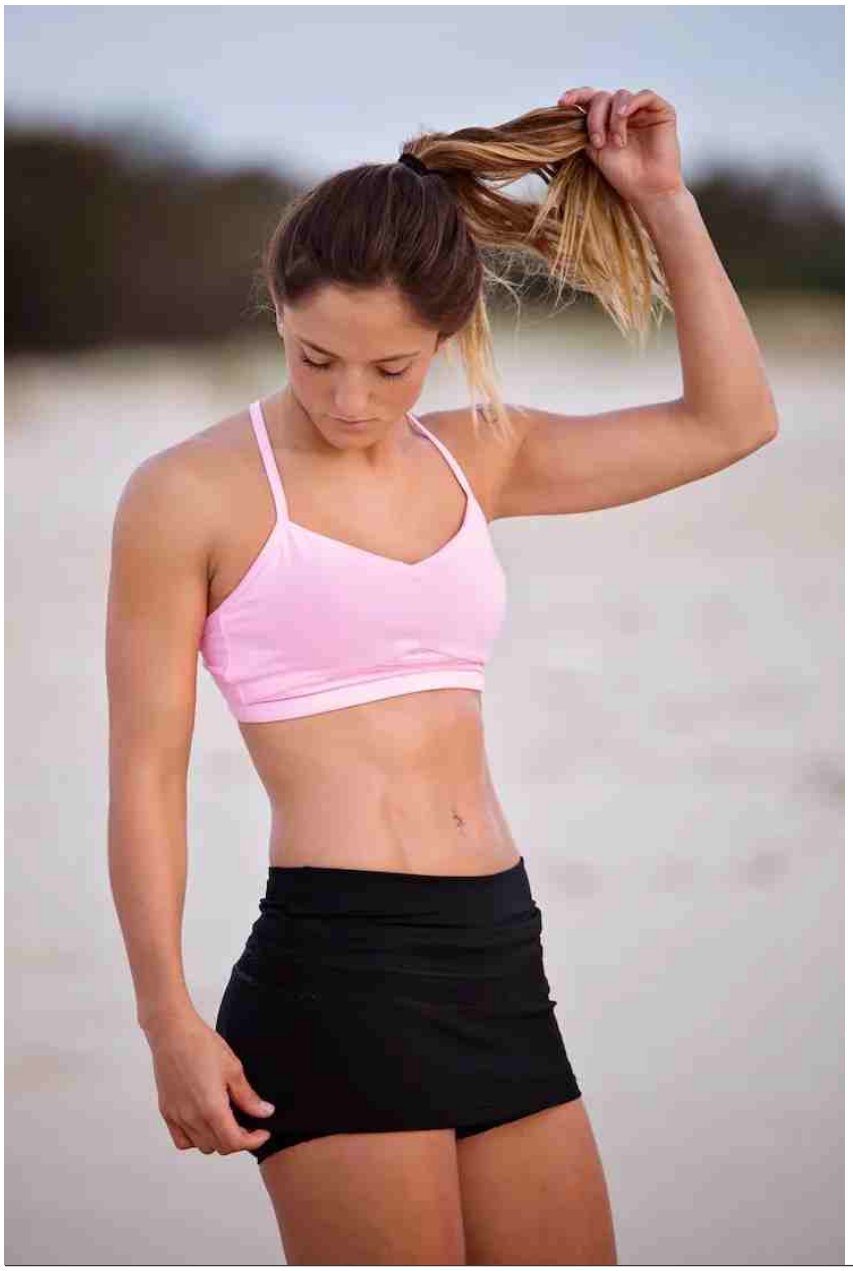

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में वर्किंग वूमन के कंधों पर कई सारी जिम्मेदारियां एकसाथ होती हैं. घर-परिवार और ऑफिस के इतने काम होते हैं कि वो खुद की सेहत का ख्याल नहीं रख पातीं, जो आगे चलकर कई तरह की शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकती है. डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह के अनुसार, महिलाओं को हेल्दी रहने के लिए आपको हेल्दी डाइट लेना बेहद जरूरी है.

महिलाओं को अपने हेल्थ का ख्याल रखने के लिए हेल्दी फूड का सेवन जरूर करना चाहिए. इस खबर में हम आपके लिए उन पांच फूड्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जो महिलाओं को लंबे समय तक फिट और स्वस्थ रखेंगे.

1. महिलाओं के लिए फायदेमंद दहीः महिलाओं की सेहत के लिए दही बेहद फायदेमंद है. हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि कई रिसर्च में पाया गया है कि दही खाने से ब्रेस्ट कैंसर का खतरा काफी हद तक कम होता है. दही पेट से जुड़ी परेशानियों को भी दूर करने में मदद करता है. दही खाने से अल्सर और वेजाइनल इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है.

2. महिलाओं के लिए फायदेमंद बेरीजः महिलाएं अपनी डाइट में स्ट्रॉबेरी, रास्पबेरी, ब्लूबेरी और क्रैनबेरी जरूर शामिल करें. इनमें एंटी-कैंसर वाले पोषक तत्व पाए जाते हैं. बेरीज महिलाओं को ब्रेस्ट और पेट के कैंसर से बचाने में भी मदद करती हैं. यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन को दूर करने में भी बैरीज काफी फायदेमंद होते हैं.

3. महिलाओं के लिए फायदेमंद है दूध : महिलाओं में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी काफी ज्यादा मात्रा में नजर आती है. दूध में विटामिन डी और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है. विटामिन डी कैल्शियम को शरीर तक पहुंचाने और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है. ऐसे में महिलाओं को डाइट में लो फैट मिल्क को जरूर शामिल करना चाहिए.

4. महिलाओं के लिए फायदेमंद है टमाटर : टमाटर में लाइकोपीन नाम का पोषक तत्व होता है, जो महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर से बचाने में मदद करता है. इसके अलावा टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं, जो हार्ट संबंधी बीमारियों से लड़ने में मदद करता है. टमाटर स्किन को हेल्दी रखने और एजिंग को रोकने में भी मदद करता है. यही वजह है कि एक्सपर्ट्स टमाट का सेवन करने का सलाह देते हैं.

5. महिलाओं के लिए फायदेमंद है सोयाबीन : डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह कहती हैं कि महिलाओं को अपनी डाइट में प्रोटीन, आयरन और विटामिन बी से भरपूर सोयाबीन को जरूर शामिल करना चाहिए. इसके लिए आप सोया के बने प्रोडक्ट जैसे सोया मिल्क और टोफू भी डाइट में शामिल किया जा सकता है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

वायु सेना दिवस पर जानें कैसे महिलाएं 12वीं के बाद बन सकती हैं फ्लाईंग ऑफिसर

नई दिल्ली। विश्व की 5 सबसे सशक्त वायु सेनाओं में से एक भारतीय वायु सेना आज, 8 अक्टूबर 2021 को अपना 89वां स्थापना दिवस मना रही है। वायु सेना समेत तीनों रक्षा सेनाओं में सरकारी नौकरी न सिर्फ सर्वश्रेष्ठ कैरियर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और देश सेवा का गौरव भी प्रदान करती है। ऐसे समय में जबकि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुष उम्मीदवारों के बराबर आ चुकी हैं, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना - तीनों ही रक्षा सेनाओं में ऑफिसर के तौर पर भर्ती का एक और विकल्प उच्चतम न्यायालय के हाल ही में केंद्र सरकार और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को दिये गये आदेश के चलते खुल गया है। इस आदेश के अनुपालन में यूपीएससी ने भारतीय वायु सेना समेत तीनों ही सेनाओं में 12वीं के बाद इंट्री के विकल्प देने वाली एनडीए परीक्षा में महिलाओं से आवेदन 24 सितंबर 2021 से आमंत्रित किये है। इन भर्ती के लिए आवेदन की आज आखिरी तारीख आज, 8 अक्टूबर 2021 को है। आवेदन की इच्छुक महिला उम्मीदवार आयोग के अप्लीकेशन पोर्टल, ह्वश्चह्यष्श्वठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ पर दिये गये फॉर्म से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन प्रक्रिया की अधिक जानकारी इस लिंक से देखें।

वायु सेना में फ्लाईंग ऑफिसर बनने के लिए योग्यता

यूपीएससी द्वारा वर्ष में दो बार आयोजित की जाने वाली एनडीए परीक्षा में आवेदन के इच्छुक महिला उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। हालांकि, भारतीय वायु सेना में इंट्री के लिए महिला उम्मीदवारों को फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ विषयों के साथ 10+2 परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। साथ ही, वर्ष 2021 की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी 2003 से पहले और 1 जनवरी 2006 के बाद नहीं हुआ होना चाहिए।

वायु सेना में फ्लाईंग ऑफिसर बनने के लिए चयन प्रक्रिया और प्रशिक्षण

यूपीएससी द्वारा एनडीए (2) परीक्षा 2021 का आयोजन 14 नवंबर 2021 को किया जाना है। इस परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर सफल घोषित उम्मीदवारों को रक्षा मंत्रालय के सर्विसेस सेलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) द्वारा आयोजित किये जाने वाले इंटरव्यू राउंड और मेडिकल परीक्षण चरणों के लिए आमंत्रित किया जाता है। एसएसबी के चरणों में प्रदर्शन के आधार पर सफल महिला उम्मीदवारों को उनकी मेरिट और उनके भारतीय वायु सेना के चयन के अनुसार तीन वर्षों की अकादमिक और शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उत्तीर्ण अर्थात पास आउट होने वाले वायु सेना कैडेटों को उम्मीदवारों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बीटेक डिग्री / बीएससी / बीएससी (कंप्यूटर) की डिग्री दी जाएगी।

इसके बाद उड़ान या नॉन-टेक्निकल ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच के लिए कैडेटों को वायु सेना अकादमी, हैदराबाद भेजा जाएगा और वायु सेना कैडेट ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल ब्रांच) को वायु सेना तकनीकी कॉलेज, बैंगलूरू भेजा जाएगा। वायु सेना कैडेटों को सम्बन्धित एकेडेमी एक या डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद कैडेटों को भारतीय वायु सेना में फ्लाईंग ऑफिसर के तौर पर स्थायी कमीशन (नियुक्ति) दी जाएगी।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की घट सकती है कीमत, IIT ने डिवेलप की यह टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली। इस तकनीक की वजह से ऑनबोर्ड चार्जर की कीमत मौजूदा चार्जर की तुलना में लगभग 40-50न्न कम होने की बात कही गई है। द्दद्दज्ञ टीम का कहना है कि चार्जर में लागत में कमी भविष्य में ईवी की लागत को भी कम करेगी।

इलेक्ट्रिक वाहन (Electric Vehicles) आपका पेट्रोल का खर्चा तो बचाते हैं, लेकिन अभी भी इन्हें खरीदना सस्ता सौदा नहीं है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स (electric two-wheeler) या इलेक्ट्रिक कार (electric cars) आदि में लगने वाली शुरुआती टेक्नोलॉजी के चलते ये महंगे बिकते हैं। इतना ही नहीं, खराब चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर कदम बढ़ाने से रोक रहा है। हालांकि, IIT के रिसर्चर्स ने EVs पर मौजूद चार्जर के लिए एक खास टेक्नोलॉजी विकसित की है, जो भविष्य में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की लागत को कम कर सकता है, और इससे कार निर्माताओं के लिए इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत को कम रखना मुमकिन हो सकता है।

ET की रिपोर्ट कहती है कि IIT BHU के रिसर्चर IIT Guwahati और IIT Bhubaneshwar के साथ मिलकर Varanasi कैंपस में ऑन-बोर्ड चार्जर के लिए एक खास टेक्नोलॉजी विकसित की है, जो प्रोपल्शन मोड के लिए इस्तेमाल होने वाले एक एक्स्ट्रा पावर इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस की जरूरत को खत्म कर देगी। इस तरह चार्जर में एक बड़े कंपोनेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी और कंपनियां कार की लगात को कम रखने में सक्षम होंगी।

रिपोर्ट में समाचार एजेंसी PTI का हवाला देते हुए जानकारी दी गई है कि टेक्नोलॉजी विकसित करने वाली टीम का कहना है कि द्दद्दज्ञ (क्क॥) में लैब-स्केल का विकास पहले ही किया जा चुका है और अपग्रेडेशन और कमर्शियलाइजेशन (व्यावसायीकरण) की प्रक्रिया जारी है।

एजेंसी से बात करते हुए आईआईटी बीएचयू के मुख्य परियोजना अन्वेषक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि 'देश में पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम आम आदमी के लिए चिंताजनक हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती लागत और बढ़ते प्रदूषण के स्तर के बीच, ईवी पारंपरिक आईसी इंजनों का सबसे अच्छा विकल्प है।' हालांकि उन्होंने आगे यह भी कहा कि फ्र्हाई पावर ऑफ-बोर्ड चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी वाहन निर्माताओं को गाड़ियों में ही ऑनबोर्ड चार्जर्स को शामिल करने के लिए मजबूर करती है। इन [इलेक्ट्रिक] गाड़ियों के मालिक आउटलेट के जरिए अपनी गाड़ियों को चार्ज करते हैं, और इससे इलेक्ट्रिक वाहन बहुत महंगे हो जाते हैं।

सिंह आगे कहते हैं कि रिसर्चर्स ने एक ऑनबोर्ड चार्जर तकनीक का प्रस्ताव दिया है, जो प्रोपल्शन मोड के लिए जरूरी एक अतिरिक्त पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंटरफेस की जरूरत को खत्म करेगा, जिससे इसमें शामिल कंपोनेंट को 50% तक कम किया जा सकता है। इस चार्जर को इस तरह से सेट किया जा सकता है कि यह चार्जिंग मोड के लिए चार्जर और प्रोपल्शन मोड के लिए इन्वर्टर के रूप में काम कर सकता है।

सिंह ने बताया कि इस तकनीक की वजह से ऑनबोर्ड चार्जर की कीमत मौजूदा चार्जर की तुलना में लगभग 40-50न्न कम हो जाएगी। उन्होंने कहा 'चार्जर में लागत में कमी भविष्य में ईवी की लागत को भी कम करेगी।'

टीम का कहना है कि देश के एक बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता ने इस टेक्नोलॉजी में दिलचस्पी दिखाई है और कंपनी पूरी तरह से कमर्शियल प्रोडक्ट विकसित करने के लिए तैयार है, जिसे मौजूदा इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लगाया जा सके। हालांकि, टीम ने उस कंपनी का नाम बताने से परहेज किया है।

SWATI
Tuition Classes

Don't waste time Rush Immediately for Coming Session 2017-2018

Personalized Tuition up to 7th Class for All Subjets

Special Classes for Sanskrit

Contact: Swati Tuition Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

वायरल हुआ था अमित शाह का पर्चा बांटने वाला वीडियो, जानें देवबंद में क्यों अचानक बंद कर दिया डोर टू डोर कैंपेन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहारनपुर के देवबंद में डोर टू डोर प्रचार कर रहे थे। हालांकि कुछ मिनट बाद ही उन्हें अपने डोर टू डोर कैंपेन को रोकना पड़ा क्योंकि भीड़ काफी बढ़ गई थी। गृह मंत्री अमित शाह ने देवबंद के एमबीडी क्रॉसिंग से अपने डोर टू डोर कैंपेन की शुरुआत की थी लेकिन 10 मिनट बाद ही इस अभियान को उन्होंने रोक दिया। यह अभियान करीब 30 मिनट तक चलने वाला था।

बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने सहारनपुर के देवबंद में डोर टू डोर कैंपेन करने से पहले मुजफ्फरनगर में डोर टू डोर कैंपेन किया। करीब आधे घंटे तक उन्होंने डोर टू डोर कैंपेन कर बीजेपी प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। बाद में भीड़ अधिक होने की वजह से उन्हें प्रचार बंद करना पड़ा था।

इसके बाद सहारनपुर की आईआईएमटी कॉलेज में अमित शाह ने कहा कि कोरोना के कारण चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों का पालन हमें करना है। भारी संख्या में लोगों के पहुंचने की वजह से मुझे देवबंद और मुजफ्फरनगर में कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। जिन लोगों को भी डोर टू डोर कैंपेन में मेरा इंतजार था मैं उन सभी से खेद जताता हूं।

बता दें कि इसके पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कैराना और मथुरा में भी डोर टू डोर कैंपेन किया था और बीजेपी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे थे। हालांकि उस वक्त भी भीड़ काफी अधिक थी जिसके बाद विपक्षी पार्टियों ने अमित शाह और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया था। सोशल मीडिया पर आम लोगों ने भी गृहमंत्री शाह की आलोचना की थी।

पर्चा बांटने वाला विडियो हुआ था वायरल- इसके पहले मथुरा में चुनाव प्रचार के वक्त अमित शाह का पर्चा बांटने वाला वीडियो वायरल हुआ था। दरअसल अमित शाह पर्चा बांटते समय अपनी लार का इस्तेमाल कर रहे थे जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने उनकी तीखी आलोचना की थी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने ट्वीट कर विडियो शेयर किया और लिखा था कि, थूक लगाकर कोरोना बाँटते गृहमंत्री।

चुनाव आयोग विपक्षी नेताओं पर कर चुका है कार्यवाही- बता दें कि इसके पहले 14 जनवरी को स्वामी प्रसाद मौर्या की समाजवादी पार्टी में जॉइनिंग के वक्त समाजवादी पार्टी के लखनऊ कार्यालय पर भारी भीड़ इकट्ठा हुई थी। इसके बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर कार्यवाही भी की गई थी। इसमें स.।ह्व को सस्पेंड कर दिया गया था, जबकि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के ऊपर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर नोएडा पुलिस ने कोरोना महामारी एक्ट में केस दर्ज किया था। वहीं शनिवार को अखिलेश यादव और जयंत चौधरी की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्यादा भीड़ एकत्रित होने की वजह से प्रेस कॉन्फ्रेंस के आयोजक सपा नेता राहुल चौधरी व अन्य लोगों पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था।

शीत लहर के बाद अब शुरू होगा बारिश का दौर, इन राज्यों के लिए जारी हुआ अलर्ट

नई दिल्ली. पिछले करीब दो हफ्ते से पूरा उत्तर भारत शीतलहर (ष्टशद्यस्र ड्ढड्ड1द्द) की चपेट में है. इसके अलावा मध्य और पश्चिम भारत में हवा के झोकों से ठिठुरन बढ़ गई है. लेकिन अब मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने अच्छी खबर दी है. आज यानी रविवार से लोगों को ठंड से राहत मिल सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक खतरनाक शीतलहर का दौर आज से खत्म हो सकता है. लिहाज़ा उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लोगों को सर्दी से राहत मिलेगी. लेकिन पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार के लोगों को बेमौसम बारिश परेशान कर सकती है. IMD ने 2 से 4 फरवरी के दौरान देश के इन हिस्सों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है.

आईएमडी ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में आने वाले दो दिनों में तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है. जबकि पूर्वी भारत में फिलहाल तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं आएंगे. पंजाब, पूर्वी राजस्थान और यहां के अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी. लेकिन संभावना है कि अगले 24 घंटों के बाद लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी. सौराष्ट्र और कच्छ में हालात सुधरेंगे.

इन इलाकों में होगी बारिश : स्काइमेट वेदर के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित देश के पूर्वी हिस्सों में एक बार फिर बेमौसम बारिश हो सकती है. इन इलाकों में 3 फरवरी से हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और 5 फरवरी तक जारी रह सकती है. इतना ही नहीं 4 फरवरी को गंगीय पश्चिम बंगाल, पूर्वी झारखंड के कुछ हिस्सों और उत्तरी ओडिशा में भारी बारिश हो सकती है. 9 और 11 जनवरी के दौरान और फिर 21 से 24 जनवरी के बीच बेमौसम बारिश हो चुकी है. पूर्वी भारत में बेमौसम बारिश का ये तीसरा दौर होगा.

कश्मीर में फिलहाल राहत नहीं : कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में सुधार आने पर ठंड से थोड़ी राहत मिली है. वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को कुछ स्थानों पर बारिश/बर्फबारी की संभावना जतायी है. जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में शून्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया जबकि पिछली रात को शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया था. उत्तरी कश्मीर में मशहूर पर्यटक स्थल गुलमर्ग में पारा शून्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया.

भाजपा शासित राज्यों ने लागू किया धर्मांतरण कानून, अरविंद केजरीवाल ने भी जताया समर्थन

नई दिल्ली। धर्म परिवर्तन को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा बयान दिया है। शनिवार को जालंधर में पत्रकारों से बात करते समय अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनना चाहिए और किसी को बेवजह और गलत तरीके से परेशान नहीं करना चाहिए। बता दें कि हिमाचल प्रदेश ,मध्य प्रदेश ,कर्नाटक, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया हुआ है। असम समेत अन्य कई राज्यों में भी जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कानून लाने पर सरकार विचार कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने जालंधर में कहा कि, 'धर्म किसी भी व्यक्ति का निजी मामला है। हमारे देश में हर किसी को अपनी पसंद के अनुसार पूजा करने का अधिकार है। जबरन धर्मांतरण के खिलाफ एक कानून निश्चित रूप से बनाया जाना चाहिए, लेकिन इसके माध्यम से किसी को गलत तरीके से परेशान भी नहीं किया जाना चाहिए। डरा कर किया गया धर्मांतरण गलत है।'

'बीजेपी ने टिकट दिया तो करहल से लड़ सकती हूं...' तो क्या अखिलेश के खिलाफ मैदान में उतरेंगी अपर्णा यादव!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल करने वाले हैं। बीजेपी ने भी उन्हें कड़ी चुनौती देने का मन बना लिया है और इस सीट से अखिलेश के खिलाफ कोई और नहीं, बल्कि सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई भाई की पत्नी अपर्णा यादव ही मैदान में उतर सकती हैं।

बीजेपी ने मैनपुरी की करहल सीट से अभी तक अखिलेश के खिलाफ किसी प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस ने ज्ञानवती यादव जबकि बीएसपी ने कुलदीप नारायण को उम्मीदवार बनाया है। मैनपुरी और आसपास के इलाकों में चर्चा इस बात की भी है कि बीजेपी, मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा को अखिलेश के खिलाफ टिकट दे सकती है।

अपर्णा ने शनिवार को एक टीवी न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में इस बात के संकेत भी दे दिए हैं कि वह करहल सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। अपर्णा ने सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'फिलहाल लखनऊ कैंट सीट पर जनता की सेवा में लगी हूं लेकिन अगर बीजेपी की तरफ से निर्देश आएगा तो मैनपुरी की करहल सीट से भी अखिलेश भैया के खिलाफ चुनाव लड़ लूंगी। मैं किस सीट से लड़ूंगी यह पार्टी तय करेगी।'

अपर्णा ने कहा कि सपा छोड़कर भाजपा में आने से मेरे ससुर मुलायम सिंह यादव नाराज नहीं है और उन्होंने मुझे आशीर्वाद भी दिया। वहीं चाचा शिवपाल यादव पर अपर्णा ने कहा कि उन्होंने मुझे हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया है। लेकिन आज वह नसीहत दे रहे हैं। अगर खुद यह बातें मानते तो अपनी अलग पार्टी नहीं बनाते।

गौरतलब है कि चुनावी मौसम में समाजवादी खेलने को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब यादव परिवार की बहू अपर्णा यादव ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। अपर्णा ने कहा कि वह राष्ट्रवाद की वजह से और पीएम मोदी से प्रभावित होकर बीजेपी में आई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी जाति पात की राजनीति नहीं करती है और वह यहां पर मलाई खाने नहीं आई हैं। अपर्णा ने साथ ही विपक्षी दलों पर देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया।

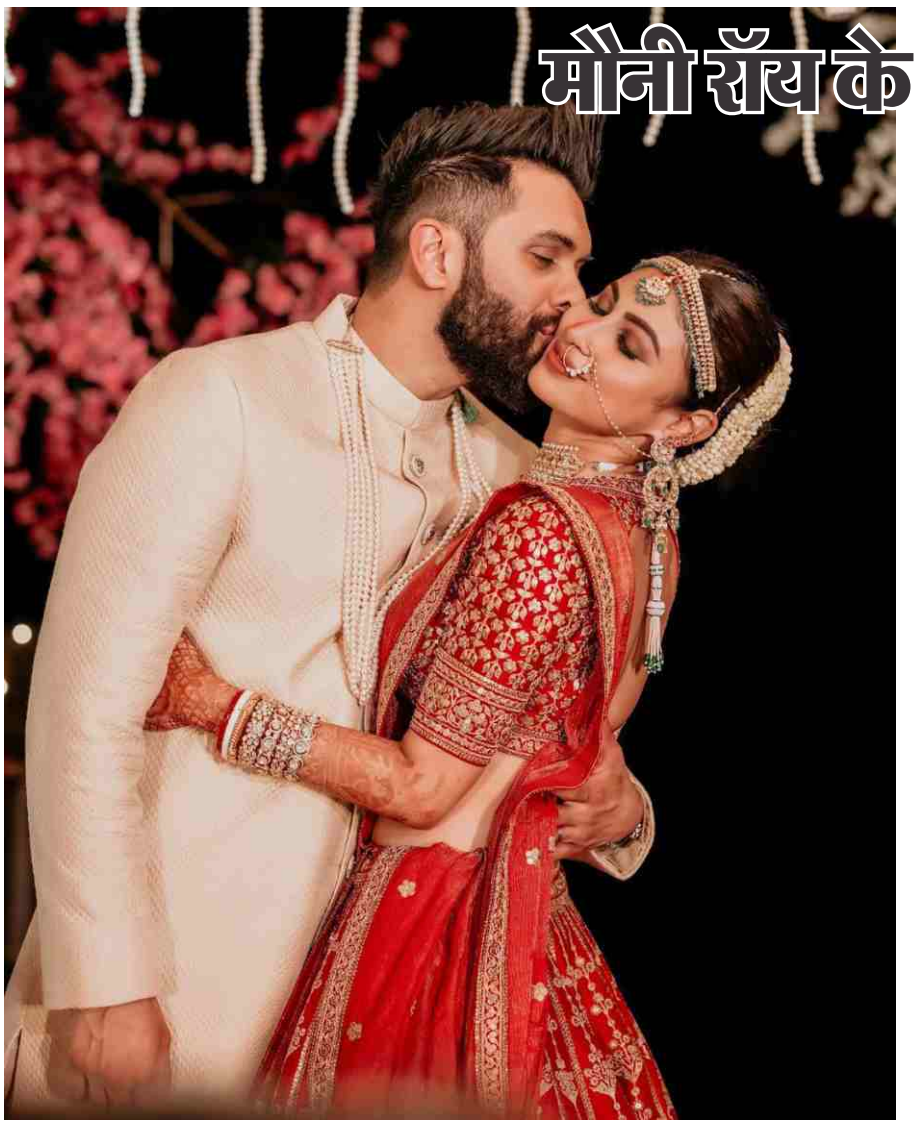

मौनी रॉय के ब्राइडल लुक के लिए ट्रोल हुए सब्यसाची मुखर्जी, फैंस बोले- 'दीपिका वाला लहंगा है'

मुम्बई। टेलीविजन अभिनेत्री मौनी रॉय ने गोवा में अपने प्रेमी सूरज नांबियार के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। इस जोड़े ने एक-दूसरे की संस्कृतियों का सम्मान करने के लिए मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों के अनुसार दो शादियां की थीं। अभिनेत्री ने अपनी शादी के लिए मशहूर डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी का लहंगा पहना था। जहां मौनी के ब्राइडल अवतार से सभी मंत्रमुग्ध थे, वहीं कुछ फैंस इससे खुश नहीं थे और उन्होंने इसके लिए सब्यसाची मुखर्जी को ट्रोल किया। 28 जनवरी 2022 को मौनी रॉय ने अपने इंस्टा हैंडल से अपने पति सूरज नांबियार के साथ अपनी बंगाली शादी की कुछ तस्वीरें साझा की थीं। तस्वीरों में कपल को शादी के मंडप में अपनी शादी की रस्में निभाते हुए देखा गया था। जहां एक तस्वीर में दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे के साथ खुशी-खुशी पोज दे रहे थे, वहीं दूसरी तस्वीर में सूरज को मौनी की मांग में सिंदूर लगाते देखा जा सकता था। हालांकि, उस तस्वीर ने सभी का दिल जीता, जिसमें सूरज को मौनी के गालों पर किस करते देखा जा सकता था। तस्वीरों को साझा करते हुए मौनी ने कैप्शन के लिए संस्कृत का एक श्लोक लिखा था।

हाल ही में, फेमस डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने अपने आधिकारिक इंस्टा पेज से मौनी रॉय की उनके दुल्हन अवतार में तस्वीरों की एक सीरीज साझा की। सब्यसाची के लहंगे में मौनी हमेशा की तरह बहुत खूबसूरत लग रही थीं और सभी उनकी खूबसूरती से हैरान थे। तस्वीरों को शेयर करते हुए सब्यसाची ने लिखा, 'गोवा में अपनी शादी के लिए सब्यसाची के लुक में दुल्हन मौनी रॉय ।' हालांकि, कुछ फैंस मौनी की बंगाली शादी में उनके ब्राइडल लुक से खुश नहीं थे। वे पोस्ट के कमेंट सेक्शन में गए और सब्यसाची मुखर्जी को उनके डिजाइनों के लिए ट्रोल करना शुरू कर दिया।

फोटोज पर कमेंट करते हुए जहां एक यूजर ने लिखा, 'दीपिका का लहंगा। कुछ भी नया सेक्शन में लिखा, 'सब्य इतने आलसी नहीं', दूसरे ने कमेंट किया कि, अब कोई नवीनता नहीं है। हर डिजाइनर हैं दुल्हनें बहुत खूबसूरत लगती हैं, क्योंकि वे बहुत खूबसूरत हैं। इसमें सब्य का कोई श्रेय नहीं है।' एक अन्य नेटिज़न ने लिखा, 'सबको एक जैसा आउटफिट डिज़ाइन करके देगा क्या?'

28 जनवरी 2022 को मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने शादी के बाद एक भव्य संगीत समारोह की मेजबानी की थी। सेरेमनी के लिए मौनी ने गोल्डन कलर का खूबसूरत लहंगा पहना था। उन्होंने खुले घुंघराले बालों के साथ अपने मेकअप को लाइट रखा था। मौनी और सूरज की संगीत रात का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें नवविवाहितों को 3 टियर वेडिंग केक काटते हुए देखा जा सकता है, जिसमें सफेद फॉस्टिंग पर सजे लाल और सफेद गुलाब थे। हालांकि, जिस बात ने सभी का दिल जीत लिया था, वह था मौनी और सूरज का क्यूट लिप-लॉक मोमेंट।

मलाइका अरोड़ा ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिया पोज, फैन ने कहा- 'जैसे दुनिया की सबसे खूबसूरत एंजेल'

मुंबई। मलाइका अरोड़ा ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिया पोज, फैन ने कहा- 'जैसे दुनिया की सबसे खूबसूरत एंजेल' मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की फिटेस्ट एक्टर्स में से हैं। वह अपने फैशन सेंस से हमेशा तारीफें बटोरती हैं। इस वजह से उन्हें डीवा भी कहा जाता है। पैपराजी की फेवरेट मलाइका का जिम लुक हो या उनकी कोई तस्वीर हो, आते ही वायरल हो जाता है। अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर लेटेस्ट तस्वीर साझा की है। तस्वीर में वह ऑरेंज कलर के बॉडीकॉन ड्रेस में हैं। फुल स्लीव्स की उनकी यह ड्रेस ट्रांसपेरेंट है। मलाइका ने बालों का बन बनाया है और ओवरसाइज्ड सनग्लासेस लगाए हुए हैं। उन्होंने अपने लुक को सिंपल रखा और पैरों में स्लीपर्स पहने हैं।

फैन्स कर रहे तारीफ : मलाइका एक सोफे के बैकसाइड में बैठकर पोज दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'सूरज की रोशनी में मुझे छुपा लो।' अपने स्टनिंग लुक से मलाइका ने एक बार फिर से फैन्स का दिल जीत लिया है। उनके एक फैन ने कहा, 'जब भी मैं आपको देखता हूं ऐसा लगता है मैं दुनिया की सबसे खूबसूरत एंजेल को देख रहा हूं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा- 'हॉटनेस।' एक यूजर कहते हैं, 'फील द हॉटनेस।'

मैगजीन के लिए कराया था फोटोशूट : इससे पहले मलाइका ने एक मैगजीन के लिए कराए गए फोटोशूट की तस्वीर साझा की थी। उन्होंने डीप नेक रफल ड्रेस पहनी थी। रेड लिपस्टिक के साथ हाई हील्स उनके लुक को और बोल्ड बना रहे थे।

जिंदगी के लो फेज पर बोलीं थीं मलाइका : मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में बॉलीवुड बबल से बात करते निजी जिंदगी की परेशानियों के बारे में कहा, %मैं अपने निजी संघर्षों से गुजरी हूं। मैं अलगाव से गुजरी, मुझे पारिवारिक दबावों का सामना करना पड़ा। मैं इससे गुजरी कि मेरा बच्चा इससे कैसे निपटेगा, मैं इससे कैसे निपटूंगी, सोसाइटी का कैसा रिएक्शन होगा, क्या मैं काम कर पाऊंगी? ये सारे विचार मेरे दिमाग में घूम रहे थे। मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल पल था क्योंकि यह मेरे जीवन में बहुत बड़ा उथल-पुथल भरा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)